>

Title: Introduction of the Arms (Amendment) Bill, 2019.

गृहमंत्रालयमेंराज्यमंत्री (श्रीजी. किशनरेड्डी):श्रीअमितशाहजीकीओरसेमैंप्रस्तावकरताहूंकिआयुधअधिनियम, 1959 काऔरसंशोधनकरनेकेलिएविधेयककोपुर:स्थापितकरनेकीअनुमतिदीजाए ।

माननीयअध्यक्ष :प्रश्नयहहै :

"किआयुधअधिनियम, 1959
काऔरसंशोधनकरनेकेलिएविधेयककोपुर:स्थापितकरनेकीअनुमतिदीजाए ।"

प्रस्तावस्वीकृतहुआ ।

श्रीजी. किशनरेड्डी:अध्यक्षमहोदय, मैंविधेयककोपुर:स्थापितकरताहूं ।

…(व्यवधान)

प्रो. सौगतराय (दमदम):पाइंटऑफआर्डरबोलनेदीजिए ।

माननीयअध्यक्ष :सबकोमौकादेंगे ।

श्रीअधीररंजनचौधरी (बहरामपुर):सर, चर्चामेंहमेंकोईहर्जनहींहै, लेकिनपद्धति, नियमोंकाथोड़ापालनकरें ।यहीहमारीगुजारिशहैकिनियमोंकापालनकरें । …(व्यवधान) यहआपकाअधिकारहै ।

माननीयअध्यक्ष :मैंनियमकीबातनहींकरता ।सदननियमोंसेहीनहीं, सदनसबकीसहमतिसेभीचलताहै । मेराआपसेआग्रहहैकिजबकोईऐसागम्भीरविषयहोताहै, जबलेबरकाविषयथा, मैंनेखुदहीकहाकिइसेआजनहीं, यहविषयछोटाहै, इसपरडिबेटकरनेकेसमयआपकोअवसरदियाजाएगा ।

श्रीअधीररंजनचौधरी:सर, आपमंडेकोडिबेटकरनेजारहेहैं ।

माननीयअध्यक्ष :मंडे, ट्यूसडेजबभीआपडिसाइडकरेंगे, उसमेंआपकोपर्याप्तसमयदेंगे ।

श्रीअधीररंजनचौधरी :सर, आजबीएसीकीमीटिंगहुई, उससमयभीपतानहींथा ।

माननीयअध्यक्ष :कोईबातनहीं ।मैंनेस्पेशलइसकोलियाहै ।

श्रीअधीररंजनचौधरी :सर, बीएसीकीमीटिंगहुईथी ।…(व्यवधान)

माननीयअध्यक्ष :आपशून्यकालवालाविषयउठारहेथे ।

…(व्यवधान)

माननीयअध्यक्ष :दादाएकमिनट ।

12.13 hrs

SUBMISSION BY MEMBERS

Re: Remarks made by a Member in the House glorifying the assassin of the Father of the Nation

-

श्रीअधीररंजनचौधरी(बहरामपुर):सर, हमसबविपक्षकेसारेनेताओंने, मेंबर्सनेआपसेदरख्वास्तकीथीकिसदनकेअंदरराष्ट्रपितामहात्मागांधीजीकेहत्यारेनाथूरामगोडसेकापूजनहोरहाहै ।नाथूरामगोडसेकाजबपूजनहोरहाहै, तोसदनकीगरिमाकोयहहानिपहुंचाताहैऔरसाथ-साथहमारेदेशकाअपमानहोताहै ।...(व्यवधान) महात्मागांधीसिर्फहमारेदेशकेहीनहीं, बल्किपूरीदुनियाकेपिताहैं ।सारीदुनियाउनसेप्रेरणालेतीहै ।सारीदुनियाकेपीड़ितलोगोंकेवेप्रेरणास्रोतहैं । उन्हींकेहत्यारेकाजबपूजनकियाजाताहै, उन्हींकेहत्यारेकीजबयहांसराहनाकीजातीहै, तोहमचुपनहींबैठसकतेहैं । ...(व्यवधान)

माननीयअध्यक्ष :साध्वीप्रज्ञाजीसेमैंआग्रहकरूंगाकिवेअपनीबातरखें ।